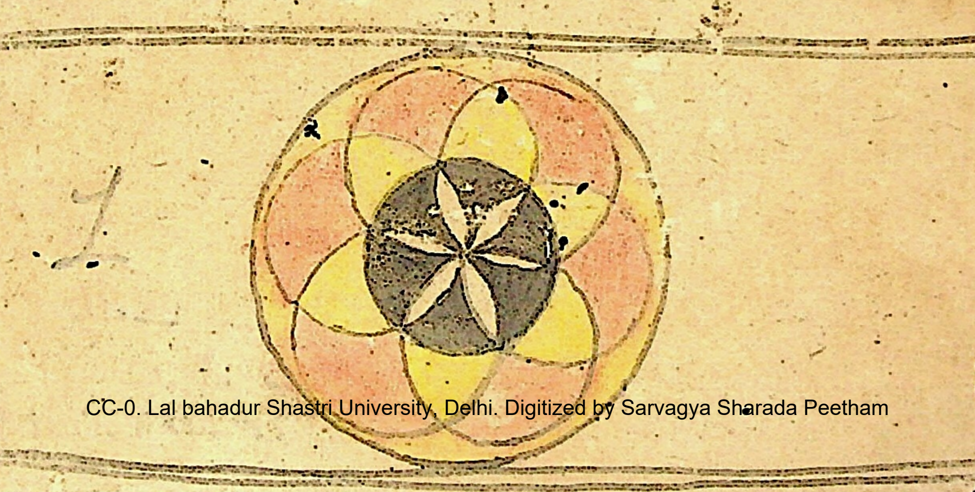


...निवासतम॥ सुरीमदेवतासुमारीती हो॥ सुमीरत माहवु...दमाही॥ ज
...मस्रादितयलस्वातन॥ तेजप्रतापतुय प्रगिनिस्वभाना॥ ड्मस्रादिनपत
...ली॥ अलषनीरंजनगदलैगामी॥ येरनिरजाइजानतीकरलीला॥ घरमह
घरपरमंमुसीला॥ जोतीक...लानीहुलोकपरजे॥ जगमगपकानुरगमं
...लदजे॥ लीलचरनहुरपीतुरोस्मरयपुरी॥ स्पतनिघानर्घमभरतव
...॥ स्रमपुरीतास्रहीतास्रमीतारी॥ स्रो...रीसनवलसपास

दुरस्स्व्रतफरैम्प्रतथर्यै॥ कुंसमग्रास्यहकैफरौसीरामा॥ हि
लैइस्मुंरीजफोनामा॥ बिहचैहोहिम्रसंमपलपता॥ पवैपुनहोरिग्रो
तेसमानीपहफथामनलपैफधरव्रतच्पाता॥ बिहचैपाचपुरहे
ग्रोचामगृगीनिसमाना॥ चौपङा॥ मृश्रिमथाहै मतमपति॥ मन
सीरहोइसुराहुसद्वी॥ पस्मथरासिद्गाकेसंमा॥ पोयसहफजा
रैप्रसंगा॥ तिसीदीसा॥ भोजमाफरैप्रसौरा॥ निसीदीसापुरसा यह
यैदूता॥ [illegible]

सो कथा मैं कहौं यवाना ॥ सो पुरुष है अगनि क्षमाना ॥ महिमा अ
के अगम अपारा ॥ तीनि भुवन महं कीजी आरा ॥ दोहा ॥ अ
क ध्यापु नित हे गा ॥ कहियं अनुसनाना ॥ तीनि भुवन हद्यौ उदीत है पवन अ
पवमाना ॥ चौपई ॥ गीरीजा सुनहु कथा मन लाइ ॥ मैं तोहि सरथ
है स्यानु मस्तु ॥ पांच स्वनेयु कमा सपवना ॥ सवपवन कर्म घर्यै
मा ना ॥ ते मं चामर वै अगना ॥

३ अगर चंदन फूल लेप न कर ॥ सुंदरी नत्य न सरोज कर छ्य
चंदन सकल मोडी माइ ॥ थंती प्रताप हर रीझ गोसइ ॥ दोहा ॥ जा के
श्री हसौ नाल सुन सुजान ॥ धंती प्रतपें दीत थोक हीं सफर भाषान ॥ चौपाई
३ या मैं कहै बहुत भूप ॥ मन व चक्र सुन हु मन लाइ ॥ जो नर होइ अधिवारे
सो यह कथा सुनै मन मों धन ॥ तिस पुरी तवन अलोन सकल ॥ बीसी
कीने नमस्र चारा ॥ पी जारके तर हु तिन पुन्न ॥ पायै लो बन नय
मैं घर ले चंदन ही हवै भावै ॥ मैं यह कथा सुनै ची तल वै
३ सो चंदन पद जो ...

... पुरी ... तिस्र ... पुनि ...

न हैनसमलै प्रंगमलपी ॥ रेकि बैपरलापककसमी [illegible]

माहिसूरिजगीसाइ ॥ दोहा ॥ कुबीसरगइपुवारा [illegible]

लगाइ ॥ रेकि बैसुरीजप्रतापतेप्रभु [illegible] वरतादेलाइ ॥ बैपारा [illegible]

थामैकैहौवबीं मननप्रास्थीरकरी सुनहुनवरी ॥ [illegible]

राप्रंगामहो [illegible] मदैनथामतप्रपरीसोरपवाचस [illegible]

[illegible]

मी जो तर्थी [illegible] प्रगासा ॥ सर्वीत्व कथा गुन गा दै जहां सूजवो प ॥ ४
ना चै यम ॥ पंचापुरय मन [illegible] गर्के कनाड ॥ हिलम्नल वी प्रव सेत हौ वाड
जम सैम नो क) लों सा ॥ धर्म क था त हले गइ प्रगा सा ॥ पूजा सुरी ४
६ सुरति कंभै दीन राती ॥ जिम्सदीत ध्यान चरे वहु भांत ॥ प्रागी नीजो
नो सै श्री [illegible] ॥ श्री शुरी न को भ्या भ्रम जाही ॥ ते अघ नापप्र नु
[illegible] चला ॥ [illegible] मागीतो के चला ॥ [illegible] यम
[illegible]

हरषीं प्रभु मानत मेजनक रहे सुलोचना।। बीदीन सुचो [illegible] गुरु
गये।। चौपाई।। जा चक्र [illegible] चलयो विसा।। सो पहसु सौ परन सुद
[illegible] वैतही संकल सुमेरा।। सज भरन बली सूर्य सो नादेग
[illegible] चले तहु सो पाग पुनपुनाता।। तिहि वै सकल मानीरथ पड़ेसो
[illegible] गपता।। चौपाई।। सुनहु कथा रस अमृत वानी।। पकन्द्र भानी के सुत
वनी।। दोहा।। आदि कौ वृत्तिष्यग्या।। सो तहु लैय हि कथ मन्मा।। कहि
यहु कथा पुनीता।। सुरजा प्रतापजै जय सुजीता वीता तिनी मुक्ष प्रबल मा।

हीमाअद्दितअगमअपारा॥ जो यह कथा पढै मन लाई॥ तेहि कै
तेहि हीसहाइ॥ जेहि कै रीति होइ अधीकारा॥ सो यह कथा पढै
नु सारा॥ निहि चरीतु रीति मो ही जाइ॥ धनिप्रतापसुरीनयासु
जेन करै चनिज वेपारा॥ सो न करै अन्नरूपा॥ तेहि के धन लहै
हु होइ॥ मैतो ही कहव कराइ के सोइ॥ जो यह कथा सुनि है वा कहइ॥
कासंकउ कयहु न रहइ॥ धनिप्रतापसुरीतेराजा॥ तोहु को जात
२५॥ चहु यारकीता॥

सोरोह्ड़ सोपानवर्चयो ॥ तहाँ यामें यकन्प मग सोहये अनुपमी स
लो ॥ मो जो तनसे है पतला ॥ ते ही था ॥ त अदीतके वासा ॥ प्रात होथी
असो लोगी अथ के सा ॥ लहु जो जनपद पन ॥ हो ॥ सहु सज जानकु प
लमा जाही प्रात ही गत डेह नीर वासा ॥ अन्ता जल पर लहो नव सा ॥ यहाँ पी
अदीत अपही जाहो ॥ सुनहु कथा पुनीत मन माहीं ॥ नताहि कथा कही सनु
॥ अदीता कथा कहे मन लाइ ॥ दोहा ॥ आदीत कथा पुनीत है सुनहु जन चीत लाइ
नर से पद अ चीत मन [illegible] दोहा ॥ [illegible] ॥ आदित [illegible] मीरे सं

भक्ता सुजगुन सीलउजागर सोभा रूपनीधान ॥ मन तव चक ... ... मे जा
प्रीत ते जन करै वाषान ॥ चौपाई ॥ जो इहु लइ ... डिवरत मलावै ॥ मन पच्व कन
धप्रनलगावै ॥ सुरनर मुनी ध मग्र स्त्रुती माना ॥ होहीप्रसंनस्त्रावतिम
पाना ॥ जेही का गाढपरै अतिभारी ॥ सोयह कथा करै अनुसारी ॥ नीहिचै गाढ
सकलमीटीजाइ ॥ चनीमाहिमहो सुरीज गोसाइ ॥ जोयह कथापठै मनलाइ ॥
तापर प्रीत होहिसहाइ ॥ दोहा ॥ जवकठ गाढ परै ... पठै कथा मनलाइ ॥॥

॥ थापुनतम्रमतरसवानी ॥ म्रउरौमहीमासुनदुमपजी ॥ दोहा ॥
ाकहगाढपरैम्रतीकथापढेमनलाइ ॥ निगीबैसुरीजप्रतापतेसफलगढ
चडिजाइ ॥ बापइ ॥ जोइ द्युयाकरीपढेनरकोइ ॥ पढतकथफलपवै
ोइ ॥ तीनीमुम्रनकेसुरीमहेदता ॥ हरबीतकथागा येममज्ञात ॥ दोहा
मम्रतीतपारमेस्वमहीमाम्रामीतम्रपोरा ॥ तीनिलोकमनजोबीरजेमवाडसपसकुजी म्रारा
॥ फुस्टी ध्यनमनलपैपावैकायाछान ॥ मेम्रसप्रेमतु म्हे म्रंतरकीपकरहुलय
खतमनलोयैमतव[illegible]म्रास्नासु[illegible]निकहीपसमहो

दोहा ॥ सुरज कथ अगम है लीलावती निजा ॥ अगम कथा अ अपेता
स्मु हराइ ॥ चौपाइ ॥ पुरु यदी सीय कसु पुरु देष्या ॥ तह कनक पुरु नी
को सदा अचेत कै पुजा ॥ पटु है समान अवर नही दुजा ॥ यही बीची सप्त
नगर उजी अपारा ॥ तहा यक है अगम अपारा ॥ हजार कोस परवत परवत ॥ ते
सती अदीत वष पाना ॥ दुइ पहर तह करहै नेमा सो ॥ परीरिष दिना दीहि मरु
सो ॥ मन वच कर्म कथो गुन गाइ ॥ सुरज चरीत सपत महि है सुना
सुरज चरी अमर व्याख्यान करी स्नु गीरी राजकुमारी ॥ अव नष

नेहचे सुरी जप्रतपते सकलगाढ मीटी जाइ ॥ चौपाइ ॥ सुनीगीरीजा ॥
नमाइ ॥ थानीसुनतत्तवहीमु सुपानी ॥ ध्यनीत्रप्रवीतजी कृपावहले
मे चुरंध्यरपरमसुसीला ॥ प्रवरकथामैपुछोतोही ॥ कहहु मरइना
जमोही ॥ पुछपदीसीकहहुमहीगेथ्याइ ॥ सोमोहीनथकहहुसमु
कहैसंमुसमकथरसला ॥ जैसेपटुचउगाहिकपाला ॥ गीरीजासुनहु
मनलइ ॥ [illegible]

8

२ सुरकोमोजनक रंग्रलोन ॥ जोहीनर हमानर पमउ ॥ ओ पहल
॥ भाज हम देपसनी सी पापजाइ सब भागो ॥ जोन रत्तीरथ जड
वचन रग्र स्नान ॥ सुनरमुनी ॥ कै अस्तुती प्रसन्न होहीमग
हीरो ॥ अं व्रजगदेपयहस्रस्तुती की ॥ १ ॥ हरषीत ग्रदीत दरसन दीह
हप्रभु अशीरवाद ॥ शीमसंगरहेहुफसलभरजाद ॥ सदा ग्र
ग्रहे वतनुग्हारी ॥ सुनहु वचन मम गिरी सकुमारी ॥ मम कही
गयनीत व्रमा ॥ गीरजासु मीरनलागी नोज ॥ फीर वोली मुस

9

श्री रतनहार ॥ चौपाई ॥ जो नर कथा सुर जसै पदे ॥ चढि बैंबान बैकु
सि धावै ॥ अस्तुति हरषीतक हीं भावानी ॥ सुत जपधाम पतरमथा
ता ॥ अस्तुति हुपंरजुनात रजानी आती निकलहि पीयाम ॥ पुनी
कुसपाप मुअरतम री काम ॥ कुष्णिध्यान कथा मन लागै पाब पू
त ॥ सपरजुगंतर जमी सपाप करहु जगपाप ॥ [illegible] बंमर सुनेपु
निमुपुचपरलह ॥ पुन कीतपर पडुनीत तेहरषीत सुच बा
[illegible] रता चननाम [illegible]

कैकंथाकहानी ॥ मनग्रथ्थीरभै मुनहरुसपनी ॥ उत्तदीसीयक
नमरवीसला ॥ तहाकरजमदनगोपाला ॥ तहासबलवकपमनी
सला ॥ सैजोजन सौ रहैपतला ॥ मरपैमानुर्कानेनहीग्रवै ॥ यहीपीची
जगम्रचीमजनवे ॥ यहीपीचीनगरसकलम्रचीम्रारा ॥ उगहीनमानुजेती
उजीम्रारी ॥ कलउपासलीनपहिकाउ ॥ इंचतपापमलीघनेजाउ ॥ यहीपीचीत
गनगुणहीमाना ॥ तौहिकहाकथप्रमाना ॥ इकसमैम्रचरजम्रसनसुउ ॥ ना
रदमुनीतहंपा चलीगयउ ॥ दूपानगरसकलम्रचीम्रारा ॥ धर्मकथमनहीं
उहारा ॥ मिरीफिरीसकलनगरमचीम्रारा ॥ मनमहनासबैनवीचारा ॥ कै

काइमवनी ॥ मुम सीचत्तीनी मृअनके हानी ॥ अपरवचनम्र मुप
दैतौहीं ॥ कहहु कअराइ नाथ अव मोही ॥ दोहा ॥ करहु कपाअ मुह
परअतहहवीजातीवीराज ॥ तेजप्रताप सुमृहती मृअनकनयकंडलधी
धाज ॥ चौपाई ॥ जानकरेसुरीसीपरच्यात ॥ तकोहोइ मुचकला
ना ॥ गिरिजक हाही दुलावकरजोर ॥ नयकसंदेह अपरअ मुमोरे ॥ उर
दीसीकहउगहीगोशाइ ॥ श्रोमोहीनाथकहउसमुझाइ ॥ कहहनल
गेसीवकथासमझा ॥ जेहीवीवी उतरउगहीकपाल ॥ उतरदीसी

अब कहु मुनी पुछौ मै ताही ॥ उत्तर अपर अब कहु मोहि ताही ॥ कहु न ला
नादसुनो जपही ॥ अंग परन मुनि नि फलत पही ॥ अंग परन मुनि दिपही
कैसे ॥ मानो हंससरोवर जैसे ॥ वन्नीत भय मुनी देषही अंग ॥ निःफल
परन सफल तन अंग ॥ सरीर कुष्ठ मुनी करत पभय ॥ यपफल
ही जैसन कहेउ ॥ अब कहु प्रमु पुछती गतो ही ॥ कतदिन अंग परन रहे मोहीं
के पास चुप्र मुपरम अंग गया ॥ परतम भय तन के ही अपरवा ॥ सो मुनि हानि
कहहु समुझाइ ॥ जेहि ते अंग परन भौई जाइ ॥ तब प्रभु कहा सुनहु मुनि पा ॥

मथउ नगर अची चारा ॥ अस कहि नारद को पउ तपहीं ॥ नगर अदीनमु
नीन पाहीं ॥ कुसली होहु सकल नर नारी ॥ धर्म कथा करन मची सारी ॥
कुछ वरन मे सभ के अंगा ॥ अछो अंग सकल तन भंगा ॥ दोहा ॥ नारद जे
नगर मकु सछ वरन नर नारी ॥ लागो यान कुड को भय सकल शम नरोरी ॥ चौपाई ॥
कोइ नर हाथ कु सछ तयाचो ॥ सब के कुछ वरन माभ सची ॥ व्याकुल भय सकल नर
री ॥ बड़ी भी ही प्रभु की हु पुकारी ॥ आपद मुनी अमुरीज पाहा भय ॥ उत्तर दी
कै कथा सतय ॥ सुनत कथा [illegible] दुत मुरख काने ॥ काल गयम[illegible] ना छत र मु[illegible] ने

उ प्रताप आदित को हरषी तपन तेली ॥ चौपाई ॥ अब कहं [illegible]
दीत पह अप्र ॥ उत्तर दीसी थे का थसु नाय ॥ आप अनुपम वी हु गा
[illegible] ॥ प्रताप अप्रवार नी जजाइ ॥ अब कहि अप्रवीत हरषीत मयउ ॥ [illegible]
उपजी भृति स्पन कयेउ ॥ अब जनी प्रासे मरम मूलाहू ॥ [illegible] आ
र यावले हु वरजा हु ॥ आसीरवाद मुनी काप [illegible] ॥ हु पन अगम
मती [illegible] ॥ से हहु प्रकार मुनी सव ही जेषा ॥ [illegible] गोह सुरीज [illegible]

होकसजनलोगगुरचाले ॥ प्रभुसोकहाकोहूहनहीकाना ॥ उतरथमम
मैभुलाना ॥ ताहाजाइमुनीअपजोदीन्हा ॥ अनेुमलेहूअंगनचीन्हा ॥ उ
अपदीठतुमामारी ॥ व्याकुलभसमसकलनरनारी ॥ दोहा ॥ अवमेलनस
हैकथापुनीतअनंग ॥ उ ॥ अपअपनीकरहूसरनमाठतवअंग ॥ चौपा
नीकवचननारदमुनमेना ॥ जहदीसीयाहूकौनपयाने ॥ दूदसदीनम
रगयउ ॥ अपनीअउपहमुनीकीयउ ॥ समकाकुठनीकमजपली ॥
रदअपउजपकीयलजपही ॥ दोहा ॥ नारदउतरमइच्हे आपउगतपकीहा

यामोहीनाथकहहुसमुझाइ॥ चौपाइ॥ कहेसंभु सुनुगीरीसकु
१२ मारी॥ सुंदरवरीबमैकहोयोबरी॥ कहनलागेसौंथकथसुझाइ॥ जं
गीचिच्योंदीधीनउघहीगोसाइ॥ वधौनदीसाकेकाथाअनुपा॥ जेमलपो
१ प्रतहाकरअपा॥ हीरखीतमनहिकरेदीनराती॥ तहारठप्रभुसुषवहुभाती॥
धरीपीच्योप्र॥ जोतीपीरजै॥ अनतदुनादधंऽधुनीवाजे॥ तेतीसको
१२ डीदेवतताहा॥ श्रीजगुनाथकैवासाअस॥ वधौनदीस्याकसीप्रआगा॥

स॥ ब्रह्मावेदपढे मरनकारी ॥ होहीसुमंगलजैजैमारी ॥ अछत चंदनपा
नपकल्पना ॥ पुजाकरहीमुनीधीरजग्याना ॥ रषीतहोहीसुरजगुनगापदी
तलपषा ॥ जसंववजयहीं ॥ दोहा ॥ जग्यकीहिंनीध [illegible] नतवसोमाफकीना
हिजाइ ॥ तातिसपकोंऽ [illegible] तातहहरषीसुरजगुनगाइ ॥ चौपाइ ॥ जोनरध्यौपा
थापरव्यामा ॥ ताकरहोइपुत्रकल्याना ॥ जोयहरूप थक्हैमनलाइ ॥ तपरसदी
तहोहीसफल ॥ व्यवसप्रतपसदीतबालयाना ॥ दषीतसैसफलोगसुजना ॥
दोहा ॥ गिरीजापुत्रकोरानुरसहीसुराजश्रीरश्रमनलाइ ॥ दचौनाथेसा [illegible]

१३ तेसुदीनथयासुजगुनकी ... ॥७॥ थयमके
केहुप्रगास्या॥ मिथ्यावचनकोइनहीभाषे॥ तेसुदीनथयासु
रावषे॥ धयमवीचारसुरजनकहै॥ हृदसपथयासुजप्रथरही
१३ धादसफलठहै॥ जयपप्रदीतदपताम्रे॥ पुरथोलजन्मकेहासाकाथ
संमत् १८५५ साके १७२०
ठतहै जाइ॥ श्रीसुजपुरेसमा ... जेसुजदपता ... नामामी सु ४
जसीप्रतिपाइते सीली ... प्रयमलेपक भ्राहैतीहीतेजावीरे

१३

दोषतवसैसजलोगसु भाग ॥ ६ ॥ भजहीतनीमलिभ्रगा ॥ तहावसहीतु
जंगा ॥ तपासीवेप्रमुपरमभ्रगाच्या ॥ सुदीनमोजनप्रभुमात
दा ॥ दोहा ॥ दोषीनदीसापुनीतहैसुनहुउमाचौतला ॥ भ्रगम्रपज
तोइतौमोमेकहावभ्रा ॥ ६ ॥ चौपई ॥ कलउधीतीहोइजवजइहै ॥ ना
नुष्याषैहै ॥ तवप्रभुभ्रधतरीहैनिकलपी ॥ मानुष्यतनलोहे
सा ॥ भ्रगीलभ्रप्रथमेजावभ्रउ ॥ दोषितद [illegible]
था तोइहै दोतरत्ता ॥ भमच्चर [illegible] भ्रपज